E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

परीक्षा : मे – २०२३

सत्र – ३

विषय : आधुनिक काव्य (भाग–१) (HDS - 301)

दि.: ३०/०५/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : दो २.०० से दो ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'कामायनी' महाकाव्य की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'कामायनी' महाकाव्य की सर्ग योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ३ 'कामायनी' महाकाव्य के कलापक्ष एवं भाव पक्ष को विशद कीजिए ।

प्र. ४ 'चिंता' सर्ग में अभिव्यक्त मनु की चिंता पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य की कथावस्तु को लिखकर उस में हनुमान की चरित्र–योजना का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं को सोदाहरण विवेचित कीजिए ।

प्र. ७ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित पात्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के कला पक्ष एवं भाव पक्ष को विशद कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१. नीचे जल था ऊपर हिम था,
एक तरल था एक सघन,
एक तत्व की ही प्रधानता,
कहो उसे जड या चेतन !

२. बनो संसृति के मूल रहस्य,
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल,
विश्व भर सौरभ से भर जाएँ
सुमन के खेलो सुंदर खेल ।

३. राम! मोह असत्य है, किसी का भी हो
तुम्हें अपनी अनास्था से नहीं,
संशयी व्यक्तित्त से भी नहीं,
तुम्हें लडना युद्ध है .. . . . असत्य से !

४. क्षमा करे महाराज !
हम केवल घटना है, इतिहास नहीं ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'कामायनी' में प्रकृति चित्रण

२. 'कामायनी' में प्रलय–वर्णन

३. 'संशय की एक रात' शीर्षक

४. विभीषण ।